ISSN 0972-5539

मीना समाचार
MEENA News
भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का प्रकाशन
A PUBLICATION OF FISHERY SURVEY OF INDIA

खंड 32 संख्या 1 मुंबई अप्रैल -दिसंबर 2015

अनुसंधान क्षेत्र से

पूर्वी अरब सागर के *अलेपिसोरस फेरॉक्स* और *झिफियास ग्लेडियस* के मेटाजोन परजीवी

निर्धारित जलक्षेत्र की जैवविविधता का वर्णन करने में मत्स्य परजीवी का दस्तावेज़ीकरण महत्वपूर्ण है। भा मा स के कोच्चिन बेस के वैज्ञानिकों ने पहली बार पूर्वी अरब सागर के लंबे स्नाउटड लेनसेट फिश *(अलेपिसोरस फेरोक्स)* और स्वोर्ड फिश (*झिफियास ग्लेडियस)* के मेटजोन परजीवी के अध्ययन किए है। तीन सेस्टोड्स *(पेलिखनीबोथियम स्पीसीओसम, टेंटकुलेरिया कोरिफेने* और *हेपटोक्सिलोन ट्रिचियूरी*) और एक ट्रेमटोड (बोटुलस माइप्रोपोरस) लेनसेट फिश से एकत्र किए गए। परजीवी व्यापकता 98.04% और औसत तीव्रता 9.58 था। स्वोर्ड फिश में सभी नमूने संक्रामक थे और औसत परजीवी तीव्रता 51.4 था। स्वोर्ड फिश से पॉच सेस्टोड्स *(हेपटोक्सिलोन ट्रिचियूरी, फिस्तूलिकोला प्लिकेटस, नइबेलिनिया बिसुलकेटा, नइबेलिनिया लिंगुआलिस* और *टेंटकुलेरिया कोरिफेने),* कम से कम नेमटोडस की दो प्रजातियॉं *(हिस्टेरोथाइलेसियम इनकुरवुम* और *गैर पहचानीकृत नेमटोड*), कोपेपोड की एक प्रजाति *(पीनेल्ला इन्स्ट्रक्टा)* और एक ट्रेमटोड *(हिरडिनेल्ला वेन्ट्रिकोसा)* संग्रहित किए गए। अध्ययन का परिणाम पत्रिका "समुद्री जैवविविधता" में प्रकाशित है (प्रकाशक: स्प्रिंगर, डो ओ आई 10.1007/एस 12526-015-03464)

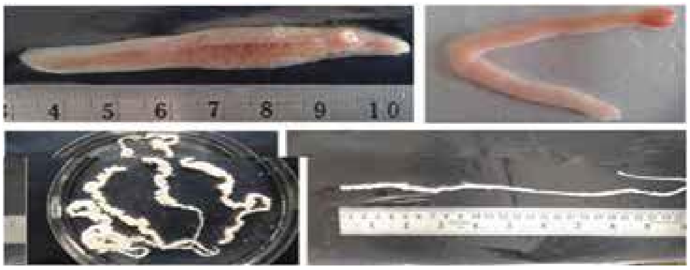

(डॉ. सिजो पी वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक , भा. मा. स., कोच्चिन बेस द्वारा सूचित)

निकोबार जल में शोर्ट फिन शार्क *(इसुरस ऑक्सिरिचस)* रफिनेस्क, 1810 की प्राप्ति

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण से जुडे *पोत एम एफ वी ब्लू मार्लिन* पर 22 सितंबर 2015 को 9° उ/ 93° पू के क्षेत्र में 2012 मी गहराई से शोर्ट फिन मको शार्क *(इसुरस ऑक्सिरिचस)* पकडी गई। पकडी गई प्रजाति का मापन लगभग कुल लंबाई 241 से. मी. और वजन 12 कि. ग्रा तक था। शोर्ट फिन मको शार्क ब्लू पोयिंटर के नाम से भी जाना जाता है, लेमिनिडे कुटुम्ब के बडे मैकरेल शार्क है। मको शब्द "मौरी भाषा से आया है जिसका अर्थ शार्क या शार्क दांत है। शार्ट फिन मको शार्क फ्युजिफोर्म, बेलनाकार, मध्यम पतला शरीर अपनी जीवन शैली की सहायता करते हुए सीधी लंबी पूछ के साथ काफी बडी प्रजातियॉं है। इसके अतिरिक्त, इसे तीक्ष्ण नुकीला थूथन है। इसका रंग पृष्ठ में मेटालिक ब्लू और पेट पर सफ़ेद है। शरीर पर नीले और सफ़ेद के बीच सीमांकन की लाइन अलग है। शोर्ट फिन मको शार्क दुनिया भर में अपतटीय शीतोष्ण और उष्णकटिबंधीय समुद्र में रहेता है। यह सतह पानी तक अपने आप में सीमित एक पेलाजिक प्रजाति है। यह एन्डोथरमिक शार्क के रुप में जाना जाता है जो कि 16° के ऊपर का तापमान पसंद करता है।

इस प्रकार प्रजातियॉं अपने आर्थिक महत्व जैसे कि खपत के लिए उच्च गुणवत्तावाले मांस और तेल जो कि अपने जिगर से निकाला जाता है जबकि जबडे और दांत गहनों मे उपयोग किया जाता है, के कारण लॉग लाइन मात्स्यिकी के लिए एक महत्वपूर्ण प्रजाति के रुप में कार्य करता है।

(श्री जी वी ए प्रसाद, व. वैज्ञानिक सहायक, भा. मा. स., पोर्ट ब्लेयर बेस द्वारा सूचित)

भारत के उत्तर - पश्चिमी तट (अक्षांश 18° उ से 20° उ) में किशोर मछलियों की प्राप्ति

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के मुम्बई बेस से जुडे पोत *मत्स्य निरीक्षणी* द्वारा दिसंबर 2015 के दौरान भारत के उत्तर - पश्चिमी तट से अधिकांश मछलियों की किशोर मछलियों की प्राप्ति दर्ज की। क्रूस के दौरान *एरियस प्रजाति* (केट फिश), *लोलिगो डुवासेल्ली (स्क्विड), नेमिप्टेरस जपोनिकस* (रानी फिश), *एपिनेफेलस*

डयकेन्थस (कलवा), *रास्ट्रेलिजर कानागुरटा* (मैकरेल), *मेगालासपिस कोरडिला* (होर्स मैकरेल), की किशोर मछलियों का अवलोकन किए गए। इन प्रजातियाँ अक्षांश 18° 00.4° उ/ देशांतर 72° 28.9° पू से 30-50 मी. गहराई में दर्ज की गई। रानी फिश की लंबाई वर्ग (7.0-21.5 से.मी) *एरियस टेनुसिपिन्स* (17.5-47.0 से. मी) *एपिनेफेलस डयकेन्थस* (11.0 - 18.0 से.मी) *लोलिगो डुवसेल्ली* (8.0-22.0 से.मी.), *रास्ट्रेलिजर कानागुरटा* (12.0 - 27.5 से. मी.) और *मेगलासपिस कोरडिला* (18.0 -33.0 से.मी.) दर्ज किए गए। लम्बाई आवृत्ति अध्ययन से प्रकट होता है कि सभी नमूने किशोर अवस्था में थे।

(डॉ. एस के द्विवेदी, मात्स्यिकी वैज्ञानिक भा मा स मुम्बई बेस द्वारा सूचित।)

लॉग लाइन मात्स्यिकी में भारी पकड

पोत मत्स्य वृष्टि द्वारा नवंबर एवं दिसंबर 2015 माह के दौरान बेहतर हूकिंग दर दर्ज की गई। नवंबर 2015 माह के दौरान कुल 139 नग मछलियाँ पकडी गई जिसमें येल्लोफिन टूना और लेनसेट फिश (प्रत्येक 21.9%), स्वोर्ड फिश (14.6%), डोलफिन फिश (13.14%) और शार्क (12.4%) दर्ज की गई। अक्षांश 9° उ -14° उ से कुल हूकिंग दर 1.50% और येल्लोफिन टूना की हूकिंग दर 0.32% पाई गई।

जबकि दिसंबर 2015 माह के दौरान, अक्षांश 18° उ -22° उ के बीच पोत का परिचालन किया गया। नवंबर माह 2015 की तुलना में येल्लो फिन टूना की हूकिंग दर 0.39% के साथ हूकिंग दर 1.62% बढी है। कुल 154 नग मछलियों का हूक किया गया जिसमें येल्लो फिन टूना (24.0%), शार्क (31.2%), डोलफिन फिश (28.6%) ब्लू मार्लिन (3.3%) स्वोर्ड फिश (2.0%) और अन्य (11.0%) शामिल हैं। अक्षांश 20° उ/ देशांतर 66° पू के क्षेत्र से 23.12.2015 को 170 कि. ग्रा वजन का एक स्वोर्ड फिश (झिफियास ग्लेडियस) और 140 कि. ग्रा वजन का एक ब्लू मार्लिन दर्ज की गई। उपर्युक्त दो माह के दौरान पकड कई वर्षों के बाद प्रोत्साहजनक थी।

(डॉ. डी. ई. उइके, व. वैज्ञानिक सहायक एवं श्री ए. वी. तम्हाणे, व.वैज्ञानिक सहायक मुम्बई बेस द्वारा सूचित)

महासागरीय जल में किंग फिश का रिकार्ड

नवंबर और दिसंबर 2015 माह के दौरान *मत्स्य वृष्टि* मोनोफिलमेंट टूना लॉग लाइन के पकड में महासागरीय जल से किंग फिश *राचिसेन्ट्रोन केनडम* की रिपोर्ट की गई। नवंबर 2015 के दौरान अक्षांश 11° उ/ देशांतर 70° पू के क्षेत्र में 3340 - 3650 मी गहराई क्षेत्र से 27/11/2015 को आर केनडम (1.5 कि.ग्रा. वजन का) पकडी गई और दिसंबर 2015 के दौरान यह अक्षांश 18° उ/ देशांतर 69° पू के क्षेत्र में 2140 - 2300 मी गहराई क्षेत्र से रिकार्ड किया गया।

किंगफिश मुख्यत पेलाजिक है लेकिन पानी के सभी क्षेत्र में पायी जा सकती है (फ्रिमन और वॉलफोड 1976) और 50 मी गहराई में और ज्यादातर 1200 मी गहराई तक पाई गई है। अभी तक किंग फिश 2000 मी के उपर की गहराई में दर्ज नहीं की है (स्प्रिंगर और बुलीस 1976)। भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण ने पहली बार भारतीय समुद्र में किंग फिश 2000 मी के उपर की गहराई में दर्ज किया है।

(डॉ. डी. इ. उइके, व. वैज्ञानिक सहायक और श्री ए. वी. तम्हाणे, व. वैज्ञानिक सहायक मुम्बई बेस द्वारा सूचित)

वेरावल (गुजरात तट) से स्पेडनोज शार्क जो कि प्राय: संकट में है

नवंबर 2015 माह के दौरान भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के मुम्बई बेस से जुडे मत्स्यन पोत *एम वी मत्स्य निरीक्षणी* अक्षांश 20° - 21° उ (उत्तर पश्चिम तट) के बीच के क्षेत्र में सर्वेक्षण प्रचालन में था। क्षेत्र 20° 12/71° 04 - 20° 54-69° 22 के बीच 48 -74 मी गहराई क्षेत्र में मात्स्यिकी संसाधान सर्वेक्षण प्रचालन करते समय7 सेम्पलिग स्टेशन से बोट्टम ट्रॉल का प्रयोग कर कुल 90 नग स्पेडेनोज शार्क (स्कोलिओडोन लेटिकोडस, मुल्लर्र हेनले,1838) पकडी गई

सभी 90 नमूनों के लंबाई आवृत्ति, लंबाई वजन, परिपक्वता, भोजन तीव्रता जैसे कुछ पहलुओं पर अध्ययन किए गए, जबकि पकडे गए नमूनों की लंबाई न्यूनतम 20.0 से मी और अधिकतम 61.5 से मी थी और वजन 160 ग्राम के बीच था। माह के दौरान शार्क की परिपक्वता चरण 1 से 50% और चरण 11 से 50 पाया गया। नर एवं मादा क्रमश: 70/30 प्रतिशत पाए गए। जब दो माता शार्क के नाभी थैली खोलने पर एक नमूने से पॉच बच्चे और दूसरे नमूने से नौ बच्चे पाए गए। इसका आकार 12 -14 से मी और वजन 10-15 ग्रा था। आंत अन्तर्वस्तु विश्लेषण दर्शाता है कि नमूनों में तीन परजीवी टेपवर्म से संक्रमित है।

उत्तर पश्चिम तट में वर्ष भर इसकी प्रचुरता देखा गया है। कम जनन क्षमता के कारण अन्य शार्क की तुलना में मत्स्यन दबाब में लचीला है। प्रकृति के संरक्षण हेतु अंतर्राष्ट्रीय संघ (आई यू सी एन 2010) द्वारा इस हानिरहित शार्क को प्राय संकट के रुप में अनुमानित किया गया है।

(श्री ए. सिवा, व. वैज्ञानिक सहायक, भा. मा. स. मुम्बई (मुख्यालय) सूचित)

नागयलंका और मछलीपटनम तट से टूना संसाधनों का समृद्ध स्थान का पता लगाया।

दिसंबर 2015 माह के दौरान मोनोफिलमेंट लॉग लाइन गियर परिनियोजित कर 14^{o} उ से 18^{o} उ के बीच बंगाल की खाडी के मध्य पूर्वी तट में पोत *मत्स्य दृष्टि* द्वारा समन्वेषी सर्वेक्षण किया गया। समुद्री यात्रा के दौरान लगभग 1060 कि. ग्रा वजन की कुल 61 मछलियाँ पकडी गई। रिपोर्टाधीन माह के दौरान पकडी गई वाणिज्यिक प्रमुख मछलियाँ कुल 46 नग 992 कि. ग्रा वजन का येल्लो फिन टूना, उसके बाद बाराक्कुडा (12 कि. ग्रा वजन का 3 नग), ब्लू मार्लिन (48 कि. ग्रा वजन का एक नग), स्किपजेक टूना (6 कि. ग्रा वजन का एक नग) और डोलफिन फिश (2 कि ग्रा वजन का 1 नग) हैं। येल्लो फिन टूना के आकार रेंज फोर्क लंबाई 68 से. मी. से 156 से.मी. के बीच थी और वजन 7 से 60 कि.ग्रा वजन के बीच था। कुल पकड में येल्लोफिन टूना नग से 75% है और वजन से 94% है। येल्लोफिन टूना झुंड की संख्या का अवलोकन करने पर क्षेत्र उत्पादक पाया गया जो कि गोदावरी नदी जल में अंतर्वाह के कारण हो सकता है। तटीय जल निचली सतह से उपरी सतह पर आने से द्वितीयक उत्पादकता के साथ समृद्ध है जो टूना के संचय का कारण है। जनन ग्रंथी अध्ययन से संकेत होता है कि मादा और नर टूना या तो अपरिपक्व है या परिपक्व चरण में है। आंत्र अन्तर्वस्तु विश्लेषण सूचित करता है कि टूना का पसंदीदा भोजन स्क्विड है।

(डॉ. मानस कुमार सिन्हा, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक भा मा स का चेन्नई बेस द्वारा प्रस्तुत)

II. बहिर्गमन एवं प्रशिक्षण

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का पोर्ट ब्लेयर द्वारा क्षेत्रीय कार्यशाला

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का पोर्ट ब्लेयर बेस द्वारा 16 जुलाई 2015 को *"अंडमान एवं निकोबार द्वीप के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों एवं विविधीकृत मत्स्यन प्रणालियों"* पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्घाटन श्रीमती पी. अरुणा, बी डी ओ, रंगत, मध्य अंडमान और श्री मनोज़ बिस्वास, प्रधान, निम्बुडला इस अवसर पर माननीय अतिथि थे। श्री एस के तालूकदार, मात्स्यिकी सहायक निदेशक, अंडमान एवं निकोबार प्रशासन, मायाबंदर ने समारोह की अध्यक्षता की। कार्यशाला के दौरान, *एम*

एफ वी ब्लू मार्लिन द्वारा संचालित महासागरीय संसाधन सर्वेक्षण पर सूचना का प्रचार - प्रसार किया गया और मछुआरों को विविधीकृत मत्स्यन प्रणलियों को अपनाने में प्रोत्साहित करते हुए अंडमान एवं निकोबार जल में महासागरीय मात्स्यिकी संसाधन संभाव्य की उपलब्धता पर भी बताया गया। इसके अतिरिक्त, एक मछुआरा रैली का भी आयोजन किया गया। *उत्तरदायी मात्स्यिकी हेतु आचार* संहिता (सी सी आर एफ) पर मछुआरा समुदाय के बीच जानकारी प्रचारित करने हेतु लगभग 90 मछुआरों ने रैली में भाग लिया। संपूर्ण घटना को समाचार पत्रों अर्थात् इको ऑफ इन्डिया और दैनिक टेलिग्राम द्वारा कवर किया गया। तकनीकी सत्र के दौरान, भा मा स वैज्ञानिक ने तकनीकी शोध पत्र प्रस्तुत किया। निम्बुडला रंगत बे, येराटा, कस्तूरी नगर और बिष्णुपुर, मध्य अंडमान से मछुआरों के लाभार्थ एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई।

अंडमान एवं निकोबार द्वीपों के जनजाती मछुआरों को एन एफ डी बी प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रसारण

पोत एम एफ वी ब्लू मार्लिन पर 30 जुलाई 2015 को समुद्र में एक दिवसीय सैर का आयोजन किया गया और मात्स्यिकी निदेशक, अंडमान एवं निकोबार प्रशासन, प्रभारी अधिकारी, भा. मा. स. पोर्ट ब्लेयर और पोर्ट ब्लेयर बेस के दो वैज्ञानिक के साथ दूरदर्शन और ऑल इन्डिया रेडियो, पोर्ट ब्लेयर के सहयोग से मछुआरों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का मुम्बई बेस द्वारा क्षेत्रीय कार्यशाला

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का मुम्बई बेस, मुम्बई द्वारा 22 अगस्त 2015 को कर्मवीर भाऊराव पाटील महाविद्यालय, पंधरपुर, सोलापूर जिला (महाराष्ट्र) में प्राणी विज्ञान विभाग के छात्रों के हितार्थ *"समुद्री मात्स्यिकी"* पर एक दिवसीय

क्षेत्रीय कार्यशाला और एक प्रदर्शनी आयोजित की गई। डॉ. जे जी जाधव, प्रिंसिपल, के बी पी कॉलेज, पंधरपुर ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की। डॉ. ए. के. भार्गव, क्षेत्रीय निदेशक, भा. मा. स. मुम्बई बेस मुख्य अतिथि रहे और श्री एस. जी, पटवारी, क. मा. वैज्ञानिक एंव डॉ. देवानन्द उइके, व. वैज्ञानिक सहायक, भा. मा. स., मुम्बई बेस सम्मान अतिथि थे। मात्स्यिकी से अनेक उद्यमियों के साथ 150 से अधिक छात्र एवं उनके संकाय कार्यक्रम में भाग लिया।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का विशाखपट्टणम बेस द्वारा क्षेत्रीय कार्यशाला

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का विशाखपट्टणम बेस द्वारा मात्स्यिकी निदेशालय, पश्चिम बंगाल सरकार के सहयोग से दीघा मोहना में 27 अगस्त 2015 को *भारत के उपरी पूर्वी तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों* पर एक दिवसीय

क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। श्री आर एफ लेपचा, अतिरिक्त मात्स्यिकी निदेशक, पश्चिम बंगाल सरकार इस अवसर पर मुख्य अतिथि रहे। बैठक की अध्यक्षता डॉ. पी.के. जना, संयुक्त मात्स्यिकी निदेशक (एस ई एम एस) पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा किया गया। श्री देबब्रता दास, कर्माधाख्या, मत्स्य-प्राणी संपद स्थायी समिति और श्री समुन्दर दास, सचिव, पश्चिम बंगाल संयुक्त मछुआरा संघ सम्मान अतिथि रहे। डॉ. ए. बी. कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने सभा का स्वागत किया और श्री के गोविन्दराज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक भा मा स का विशाखपट्टनम बेस ने कार्यक्रम के दौरान समुद्री मात्स्यिकी के विविध पहलुओं पर चर्चा की। डॉ. संदीप कुमार मोन्डल, उप मात्स्यिकी निदेशक (समुद्री) पश्चिम बंगाल सरकार ने धन्यवाद प्रस्ताव किया।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का कोच्चिन बेस द्वारा क्षेत्रीय कार्यशाला

भा मा स का कोच्चिन बेस, कोच्चि द्वारा 3 सितंबर 2015 को नीन्डकरा कोल्लम में *केरल तट के मात्स्यिकी संसाधन स्थायी उपयोग* पर एक क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। श्री डी. के. गुलाटी, क्षेत्रीय निदेशक ने प्रतिनिधिमण्डल एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया और मुख्य भाषण दिया। उन्होंने कार्यशाला के उद्देश्य के संबंध में और कोच्चिन बेस के विशेष संदर्भ के साथ भा मा स की गतिविधियों और पहल के बारे में भी संक्षिप्त रुप में बताया। कार्यशाला का उद्घाटन श्री अलफोंस फिलिप, काउंसिलर, प्रथम डिविज़न, शक्तिकुलन्गरा, कोल्लम द्वारा किया गया। उद्घाटन संबोधन में उन्होने कहा कि कृषि एवं किसान

कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत अनेक केन्द्र सरकार मात्स्यिकी संस्थान हैं जिसके बारे में वे अनभिज्ञ थे। उन्होंने नीन्डकरा में ऐसी कार्यशाला आयोजित करने के लिए भा मा स को बधाई दी। श्रीमती मरियम्मा जॉन, पंचायत वार्ड मेम्बर, नीन्डकरा ने अध्यक्षीय संबोधन किया और श्री तजुद्दीन, सहायक निदेशक (मा.) नीन्डकरा, श्री पीटर मथियास, सामान्य सचिव, नाव मालिक संघ और श्री चार्ली जॉसफ, अध्यक्ष नाव मालिक संघ ने इस अवसर पर बधाई दी। डॉ. सिजो पी वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने धन्यवाद प्रस्ताव किया। मछुआरे, मत्स्यन नाव मालिक, मछुआरा संघ प्रतिनिधि सहित नीन्डकरा मछुआरा समुदाय के कुल 95 सदस्यों ने कार्यशाला में भाग लिया।

भा मा स का विशाखपट्टणम बेस द्वारा उत्कल-बंगा उत्सव में भागीदारी

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का विशाखपट्टणम बेस द्वारा 14-20 नवंबर 2015 के दौरान चंदनेश्वर महाविद्यालय कैंपस, बालसोर, ओडिशा में अग्रगामी बाधा समिति, पुरबा, मेदिनिपूर, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित उत्कल - बंगा उत्सव में भाग लिया। बेस कार्यालय ने संगठनात्मक गतिविधियाँ, विविध भा मा स चार्ट, मत्स्यन प्रजातियों के लेमिनेटड फोटोग्राफ्स, पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन गियर दर्शाते हुए एक स्टॉल का प्रदर्शन किया और किसानों, मछुआरों, मात्स्यिकी सहकारी समिति के प्रतिनिधि, स्कूल और कॉलेज के छात्र एवं आम जनता के लाभार्थ क्षेत्रीय भाषा में अनूदित उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता का मूल विषय भी प्रदर्शित किए गए। आसपास के गॉव और निकट शहर से 20,000 से अधिक लोग स्टॉल का शिरकत किया और वे गहन समुद्री मत्स्यन के विविध पहलुओं के संबंध में अत्यधिक उत्साही थे और समुद्री मछली एवं मात्स्यिकी से संबंधित विविध मामलों पर सक्रिय रुप से एक दूसरे को प्रभावित किया।

भा मा स के विशाखपट्टणम बेस द्वारा 27 कृषि शिल्प "ओ" बनिया मेला में सहभागिता

भा मा स के विशाखपट्टणम बेस ने 9-15 दिसंबर 2015 के दौरान चांदीपूर, पुरबा मेदिनिपूर जिला, पश्चिम बंगाल में अखिल भारतीय अग्रगामी बाधा समिति, पुरबा, मेदिनिपूर, द्वारा आयोजित 27 कृषि शिल्प "ओ" बनिया मेला में भाग लिया और अंतिम उपभोक्ताओं अर्थात् मछुआरें, छात्रों, मत्स्यन उद्योग के प्रतिनिधियों और आम जनता को भा मा स के विविध चार्ट एवं पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन गियर के मॉडल द्वारा भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण की गतिविधियों का प्रचार प्रसार किया।

1. श्री अशोक कुमार अंगुराना, आई ए एस, सचिव और श्री अदित्य कुमार जोशी, संयुक्त सचिव (मा.) पशुपालन डेयरी एवं मात्स्यिकी विभाग, कृषि

मंत्रालय, नई दिल्ली ने 11.05.2015 को भा मा स का चेन्नई बेस का दौरा किया। उनके दौरा के दौरान डॉ. एल. रामलिंगम, क्षेत्रीय निदेशक ने बेस के उद्देशों और उपलब्धियों के बारे में संक्षिप्त विवरण दिया। वे कर्मशाला और जाल मरम्मत अनुभाग में की गई गतिविधियों को देखा। वे *एम एफ वी समुद्रिका स्टर्न ट्रॉलर* पर चढे जिसमें उनको बेस के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत सर्वेक्षण क्षेत्र के मात्स्यिकी संसाधनों और ट्रॉल जाल के परिचालन पहलुओं के संबंध में विवरण दिया। सचिव की इच्छानुसार पोत *एम एफ वी समुद्रिका* में मत्स्यन बंदरगाह का सैर किया और मत्स्यन बंदरगाह को देखा जिसका कृषि मंत्रालय का फंड से आधुनिकीरण किया जा रहा है। वे पोत के परिचालन पहलुओं का भी निरीक्षण किया और भा मा स द्वारा किए गए प्रयास की सराहना की। दौरा के दौरान तटीय जलकृषि प्राधिकरण, सिफेनेट और मात्स्यिकी विभाग, तमिलनाडु सरकार से अधिकारियों भी उपस्थित थे।

2. डॉ. संजीव कुमार बाल्यन, माननीय कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री, नई दिल्ली ने कोच्चिन बेस एवं पोत *एम एफ वी मत्स्य वर्षिनी* का

4 जून 2015 को दौरा किया। भा मा स के क्षेत्रीय निदेशक ने भा मा स की गतिविधियों और पोतों के परिचालन के संबंध में संक्षिप्त विवरण दिया।

3. श्री अदित्य कुमार जोशी, आई एफ एस, संयुक्त सचिव (मात्स्यिकी) और श्री मेश्राम, निदेशक (प्रशासन) कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, पशुपालन,

डेयरी एवं मात्स्यिकी विभाग, नई दिल्ली ने कोच्चि बेस तथा सर्वेक्षण पोत *एम एफ वी मत्स्य वर्षिनी* का 16 जून 2015 को दौरा किया। वहाँ उनको भा मा स की गतिविधियों और पोत परिचालन के संबंध में संक्षिप्त विवरण दिया।

- श्री रिजुष रंजन, कॉलेज ऑफ फिशरीज़, डोली, बिहार ने 16 छात्रों के साथ और श्री बी. कोटेश्वर, निफफट्ट, गंगा सिंह कॉलेज छपरा (बिहार) के 8 छात्रों के साथ भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का विशाखपट्टणम बेस का क्रमश: 1 अप्रैल 2015 और 31 जुलाई 2015 को दौरा किया। उनको भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण की गतिविधियों और भारत के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों के संबंध में विवरण दिया। उन्होंने पोत *मत्स्य शिकारी एवं मत्स्य दर्शिनी* का भी दौरा किया। उनको नौचालन, मछली खोजी उपकरण, ट्रॉल, ट्रोल सहायक पर विवरण दिए गए।
- निफफट्ट, विशाखपट्टणम में प्रशिक्षणाधीन मात्स्यिकी कॉलेज, असम के 15 छात्रों ने 19 सितंबर 2015 को पोत *मत्स्य शिकारी* का दौरा किया। उनको पोत में उपलब्ध परिष्कृत नौचालन, इलेक्ट्रोनिक उपकरण और मत्स्यन उपकरणों के संबंध में विवरण दिए गए।
- कुफोस, पनंगाड, कोच्चि से बी एफ एस सी अंतिम वर्ष के 49 छात्र एवं एक अध्यापक ने मत्स्यन अनुभव कार्यक्रम के रुप में 1 जून 2015 को एम ई डी और मात्स्यिकी सर्वेक्षण पोतों का दौरा किया।
- मात्स्यिकी विभाग, लक्षद्वीप द्वीप के पाँच प्रशिक्षार्थियों ने सिफनेट, कोच्चि में लकडी नाव निर्माण पर अल्प कालीन पाठ्यक्रम के रुप में प्रत्यक्ष जानकारी और अभिज्ञता पाने हेतु 11 जून 2015 को भा मा स के सर्वेक्षण पोत एम एफ वी मत्स्य वर्षिनी का दौरा किया।
- संकाय सदस्यों के साथ पी जी छात्रों का एक टीम ने सर्वेक्षण पोत *मत्स्य वृष्टि* का 7अक्तूबर 2015 को दौरा किया। उनको भा मा स पोतों से सर्वेक्षण प्रचालन और अधिदेश, वाणिज्यिक रुप से प्रमुख मछली संसाधनों की पहचान, मोनाफिलमेंट लॉग लाइन गियर सहित विविध मत्स्यन तकनीक के संबंध में विवरण दिया। उनको विविध नौचालन तथा पोत पर लगाए गए मत्स्य खोजी उपकरणों एवं वास्तविक मत्स्यन परिचालन आदि पर बताया गया।
- कुल 20 जनजाति मछुआरे अप्रैल से दिसंबर 2015 माह के दौरान पोत एम एफ वी *ब्लू मार्लिन* में टूना लॉग लाइन पर नवीनतम प्रौद्योगिकी में एन एफ डी बी प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

III) भा मा स का विशाखपट्टणम बेस में संपन्न अर्ध वार्षिक रोसा बैठक

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के प्रचालन एवं वैज्ञानिक गतिविधियों (रोसा) की अर्ध वार्षिक समीक्षा बैठक 22-23 सितंबर 2015 के दौरान भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का विशाखपट्टणम में संपन्न हुई। श्री प्रेमचन्द, महानिदेशक

(प्रभारी) ने बैठक की अध्यक्षता की जिसमें भा मा स बेस कार्यालयों के लक्ष्य एवं उपलब्धियाँ की समीक्षा की गई और प्रस्तावित सर्वेक्षण कार्यक्रम के कार्यान्वियन में कमियों को कैसे पार करना है, के बारे में विस्तृत चर्चा की।

IV) राजभाषा कार्यान्वयन :

भा मा स मुम्बई (मुख्यालय) द्वारा संचालित हिन्दी कार्यशाला

भा मा स (मुख्यालय) मुम्बई में 8 दिसंबर 2015 को एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई। श्री नरेश कुमार, प्रभारी अधिकारी, केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो को *"कार्यलियीन हिन्दी में तकनीकी शब्दावली का महत्व"* पर व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान का उपयोग करने और वार्षिक कार्यक्रम में उल्लिखित निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने हेतु पत्राचार में हिन्दी का उपयोग बढाने को अनुरोध किया। कुल पच्चीस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कार्यशाला में सक्रिय रुप से भाग लिया।

बेस कार्यालयों द्वारा आयोजित हिन्दी कार्यशालाएं

- भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का कोच्चिन बेस में 27 जून 2015 को अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए एक हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई। कुल 15 कर्मचारियों ने कार्यशाला में भाग लिया।
- विशाखपट्टणम बेस में 30 जून 2015 को एक हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई। श्रीमती वी सुगुणा, सहायक निदेशक, राष्ट्रीय इस्पात निगम लि. इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ थी। उन्होंने *हिन्दी शब्दावली, दैनंदिन सरकारी कार्य में हिन्दी का उपयोग और केन्द्र सरकार कार्यालयों में हिन्दी* के कार्यान्वयन से संबंधित नियमों के बारे में भी व्याख्यान दिया।
- कोच्चिन बेस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए 10 जुलाई 2015 को एक हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई। श्रीमती लीना टी पी, क. अनुवादक, कोच्चि बेस विषय विशेषज्ञ थी।
- विशाखपट्टणम बेस के सम्मेलन हॉल में 7 अगस्त 2015 को एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई। श्रीमती एम रमा देवी, हिन्दी अधिकारी पूर्वी तट रेल्वे और सचिव (टोलिक) कार्याशाला का विषय विशेषज्ञ रही।
- विशाखपट्टणम बेस द्वारा डिविज़नल रेल प्रबंधक कार्यालय, विशाखपट्टणम में 20 अगस्त 2015 को एक दिवसीय *कवि सम्मेलन* आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्रीमती चन्द्रलेखा मुखर्जी, डिविज़न रेल प्रबंधक, पूर्व रेल्वे मुख्य अतिथि रही। विविध केन्द्र सरकार संगठन, विशाखपट्टणम से 18 कवियों ने विविध विषयों पर अपनी कविताएं पढ़ी। मुख्य अतिथि ने मेमेन्टो देकर प्रतिभागियों को प्रोत्साहन किया।
- राजभाषा कार्यान्वयन के रुप में पोर्ट ब्लेयर बेस द्वारा 16 सितंबर 2015 को हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई। श्री शाहनवाज़, क. अनुवादक, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, पोर्ट ब्लेयर इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ रहें। उन्होंने दैनंदिन सरकारी कार्य में राजभाषा के महत्व पर बताया।
- भा मा स का पोर्ट ब्लेयर बेस द्वारा 30 नवंबर 2015 को एक हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें श्री महेन्द्र प्रताप मिश्रा, हिन्दी अधिकारी, बी एस एन एल, पोर्ट ब्लेयर मुख्य अतिथि रहे।
- भा मा स (मुख्यालय) मुम्बई में 11 दिसंबर 2015 को एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई। डॉ. राकेश कुमार, सहायक निदेशक, हिन्दी शिक्षण योजना, नवी मुम्बई ने *हिन्दी पत्राचार* पर व्याख्यान दिया। उन्होंने विविधि पत्राचार का संक्षिप्त सारांश दिया और हिन्दी में टिप्पणी एवं प्रारुप बनाने की उचित विधि बताया। 28 कर्मचारी सदस्यों ने सक्रिय रुप से कार्यशाला में भाग लिया।
- भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का कोच्चिन बेस में 22 दिसंबर 2015 को एक हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई। श्री ओ रमेश, प्रबंधक(रा.भा) हिन्दुस्थान ऑरगेनिक केमिकल्स लि. कार्यशाला के लिए संकाय थे। बेस में कुल 3 अधिकारी एवं 16 कर्मचारियों ने कार्यशाला में भाग लिया।
- विशाखपट्टणम बेस के सम्मेलन हॉल में 23 दिसंबर 2015 को एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई। श्री घनश्याम प्रसाद नामदेव, सहायक निदेशक, हिन्दी शिक्षण योजना, भारत सरकार, स्वर्ण जयंती भवन विषय विशेषज्ञ रहे जिन्होने *यूनिकोड के उपयोग और राजभाषा में इसका महत्व पर विस्तृत विवरण दिया।*

भा मा स में हिन्दी दिवस एवं हिन्दी पखवाडा समारोह

- भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (मुख्यालय) मुम्बई द्वारा 14 सितंबर 2015 को हिंदी दिवस "एंव 14 .09.2015 से 29.09.2015 तक हिन्दी पखवाडा का आयोजन किया गया। हिन्दी दिवस एवं हिन्दी पखवाडा का उद्घाटन समारोह श्री प्रेमचन्द, महानिदेशक (प्रभारी) की अध्यक्षता में 14.09.2015 को भा मा स., मुख्यालय में संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्री प्रेमचन्द, महानिदेशक (प्रभारी) ने सभी कर्मचारी सदस्यों को बधाई दी एवं सभी कर्मचारियों से सभी प्रतियोगिताओं में भाग लेने और हिन्दी में अधिक से अधिक कार्य करने के लिए अनुरोध किया। हिन्दी पखवाडे के दौरान पाँच प्रतियोगिताएं 1) हिन्दी श्रुतलेखन 2) हिन्दी टंकण 3) हिन्दी पर सामान्य ज्ञान 4) अंताक्षरी 5) कविता पाठ आयोजित की गई। 25 कर्मचारी सदस्य प्रतियोगिताओं में उत्साह एवं उमंग के साथ भाग लिया। हिन्दी पखवाडा का समापन समारोह 29 सितंबर 2015 को भा मा स (मुख्यालय) में संपन्न हुआ। श्री एम. के. फरेज़िया, निदेशक (अभियांत्रिकी) का स्वागत भाषण के साथ समारोह शुरू हुआ। समापन समारोह के दिन हिन्दी कविता पाठ में छह कर्मचारियों ने भाग लिया। श्री के वी सिंह, मुख्य अभियंता (सी पी डब्ल्यू डी, मुख्य अतिथि और श्री गुरू दयाल सिंह, कार्यपालक अभियंता और श्रीमती रीता चतुर्वेदी, हिन्दी प्राध्यापक, हिन्दी शिक्षण योजना समारोह के विशेष अतिथि रहे और कविता पाठ प्रतियोगिता के निर्णायक के रुप में भूमिका निभाई।
- भा मा स के विशाखपट्टणम बेस में हिन्दी पखवाडा 4-18 सितंबर 2015 तक आयोजित किया गया। पखवाडे के दौरान, कर्मचारियों और उनके बच्चों के लिए विविध प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। समापन समारोह 18.09.2015 को आयोजित किया गया और श्रीमती मैमोना चौहान, प्रबंधक (राजभाषा) स्टेट बैंक ऑफ इंन्डिया, प्रशासनिक कार्यालय, सिरिपुरम, विशाखपट्टणम इस अवसर पर मुख्य अतिथि रही और प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए।
- पोर्ट ब्लेयर बेस में हिन्दी पखवाडा 3-17 सितंबर 2015 तक आयोजित

किया गया। डॉ. एस. रामचन्द्रन, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, पोर्ट ब्लेयर ने पखवाडा समारोह का उद्घाटन किया। निबन्ध लेखन, प्रश्नोत्तरी एवं गायन में प्रतियोगिताएं संचालित की गई।

- कोच्चिन बेस में हिन्दी पखवाडा 14-28 सितंबर 2015 तक आयोजित किया गया। उक्त अवधि के दौरान विविध प्रतियोगिताएं आयोजित की गई एवं पुरस्कार भी दिए गए।

आशीर्वाद स्मृति चिन्ह :

श्री एन वी रमण मूर्ति, तंत्र विश्लेषक को सरकारी कार्य में हिन्दी का कार्य में योगदान के लिए आशीर्वाद स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। उनको मुम्बई विश्वविद्यालय, फोर्ट, मुम्बई में 27 सितंबर 2015 को संपन्न 24 वॉं आशीर्वाद राजभाषा सम्मेलन में पुरस्कार प्रदान किया गया।

भा मा स का विशाखपट्टणम बेस में संसदीय राजभाषा समिति का दौरा

माननीय संसदीय राजभाषा समिति ने 10 अप्रैल 2015 को ए पी टूरिज़म बीच रिसोर्ट, श्रृषिकोन्डा, विशाखपट्टणम के सम्मेलन कक्ष में विशाखपट्टणम बेस के राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति का निरीक्षण किया। श्री प्रेमचन्द, महानिदेशक (प्रभारी), श्री डी के चौधरी, उप सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, पशुपालन डेयरी एवं मात्स्यिकी विभाग, नई दिल्ली, डॉ. ए एनरोज़, क्षेत्रीय निदेशक और श्री एन. जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक निरीक्षण के दौरान समिति के साथ वार्तालाप किया। डॉ. ए. एनरोज़, क्षेत्रीय निदेशक ने समिति का स्वागत किया और भा मा स के विशाखपट्टणम बेस में राजभाषा पर गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण दिया। संसदीय समिति ने बेस द्वारा किए गए कार्य की सराहना की।

वैज्ञानिक शोध पत्र का प्रकाशन

- डी के गुलाटी और प्रेमचन्द (2015) "1981-2012 के दौरान भा मा स के *बेडों द्वारा संग्रहित ऑकडे के आधार पर येल्लोफिन टूना (थुन्नस अलबकेरस) के लिए दूरस्थ जल टूना लॉग लाइन हूंकिंग दर के माननीकरण"* आई ओ टी सी -2015-डब्ल्यू पी टी टी 17-24
- सिजो पी वर्गीस, डी. के. गुलाटी, एन. उन्निकृष्णन और ए ई अयूब (2015) *पूर्वी अरब सागर में सिल्की शार्क करचरिनस फेलसिफोर्मिस के जैविक पहलुएं। यूनाइडेट किंगडम के समुद्री जैव संघ की पत्रिका*
- श्री के एस एन रेड्डी और ए. सिवा (2015) ने समुद्री सजीव संसाधन विभाग, आन्ध्र विश्वविद्यालय, विशाखपट्टणम द्वारा 8-9 अप्रैल 2015 के दोरान आयोजित तटीय पारिस्थितिक तंत्र के प्रबंधन और समुद्री जैवविविधता पर यू जी सी द्वारा प्रायोजित संगोष्ठी के दौरान *भारतीय जल से दर्ज एक्रोपोमा जपोनिकम (गुन्थर 1859) के मोरफोमेट्रिक मेरिस्टिक और कुछ जैविक पहलुओं* पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

पी एच डी उपाधियॉं

श्री एच डी प्रदीप, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का पोर्ट ब्लेयर बेस को *प्रजनन नीतियों के संदर्भ के साथ मद्रास तट के चयनित स्नेप्पर (कुटुम्ब: लुटजानिडे) शीर्षक पर अध्ययन के लिए समुद्री जीव विज्ञान - प्राणी विज्ञान* में डॉक्टर ऑफ फिलोसफीज से सम्मानित किया गया।

श्री के. एस. एन. रेड्डी, मत्स्यन गियर प्रौद्यागिकीविद्, भा मा स का विशाखपट्टणम बेस को भारत के ऊपरी पूर्वी तट में तलमज्जी मछलियों के लिए परिचालित दो प्रकार के संसाधन विशिष्ट बोट्टम ट्रॉल के पकड कुशलता अध्ययन और मत्स्य भेद्यता शीर्षक पर अपने शोध प्रबंध के लिए समुद्री सजीव संसाधन में डॉक्टर ऑफ फिलोसफी (पी एच डी) से सम्मानित किया गया।

V. प्रशिक्षण/संगोष्ठी/कार्यशाला/परिसंवाद/बैठक/सम्मेलनों में सहभागिता

अंतर्राष्ट्रीय

श्री डी के गुलाटी, क्षेत्रीय निदेशक, भा मा स का कोच्चि बेस ने 23-28 अक्तूबर 2015 की अवधि के दौरान मोडपेल्लियर, फ्रांस में संपन्न ट्रोपिकल टूना पर हिन्द महासागर टूना आयोग (आई ओ टी सी) कार्यदल (डब्ल्यू पी टी टी) के 17 वॉं सत्र में भाग लिया।

राष्ट्रीय

- डॉ. ए जॉन चेम्बियन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने *तमिलनाडु में स्थायी मात्स्यिकी विकास- नीति परिप्रेक्ष्य* पर 7 अप्रैल 2015 को राज्य योजना आयोग, इज़िलगम, चेपाक, चेन्नई में संपन्न पणधारियों की बैठक में भाग लिया।
- डॉ. एस. रामचन्द्रन, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने सी आई ए आर आई कैंपस, घराचर्मा, पोर्ट ब्लेयर में 09.04.2015 - 10.04.2015 को *द्वीप कृषि एवं किसान प्रवर्तक भेंट 2015* के विषय पर द्वीप किसान मेला 2015 में भाग लिया।
- डॉ. एस. रामचन्द्रन, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने सी आई ए आर आई

कैंपस, घराचर्मा, पोर्ट ब्लेयर में 17.04.2015 को *अंडमान विज्ञान संघ द्वारा सद्भावपूर्ण जैवविविधता और जलवायु परिवर्तन, चुनौतियाँ और - अवसर* पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्टी में भाग लिया।

- श्री सुजित कुमार पटनायक, व. वैज्ञानिक सहायक ने 18.04.2015 को सी एम एफ आर आई, विशाखपट्टणम द्वारा आयोजित मात्स्यिकी पणधारियों का परामर्श सभा में भाग लिया।
- डॉ. ए एनरोज़, क्षेत्रीय निदेशक ने श्री सी. डी. राव, यांत्रिक समुद्री अभियंता, श्री एस.के. पटनायक, श्री ए. सिवा, व. वैज्ञानिक सहायक के साथ भारतीय तटरक्षक, विशाखपट्टणम, जिला मुख्यालय एवं तटरक्षक पोत विग्रह में 13 और 14 मई 2015 को प्रदूषण प्रतिक्रिया संगोष्ठी एवं अभ्यास 2015 में भाग लिया।
- डॉ. ए. एनरोज़, क्षेत्रीय निदेशक ने एम एम डी, विशाखपट्टणम में 21.05.2015 को *पी एस वी मालविया सोलह, ऑफ रिग प्लाटीनम एक्स्प्लोरर* पर 18 मार्च 2015 को सुरक्षा घटना पर आयोजित बैठक में भाग लिया।
- डॉ. देवानन्द उइके, व. वैज्ञानिक सहायक और सुश्री राजश्री बी सनदी, व. वैज्ञानिक सहायक ने जिला कलेक्टर कार्यालय, थाने में 10.06.2015 को *"महाराष्ट्र तट के परम्परागत मत्स्यन गतिविधियों पर पर्स सीनिंग मत्स्यन का प्रभाव"* पर थाने जिला मात्स्यिकी परामर्शदात्री समिति की बैठक में भाग लिया।
- डॉ. एस रामचन्द्रन, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने भारतीय प्राणी विज्ञान सर्वेक्षण, पोर्ट ब्लेयर द्वारा *भारत के कम ज्ञात समुद्री पशुओं पर भारतीय प्राणी विज्ञान सर्वेक्षण* पर 11.06.2015 को आयोजित शताब्दी समारोह के उद्घाटन सत्र में भाग लिया और 12.06.2015 को भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र के तलमज्जी मात्स्यिकी संसाधनों के स्थायी उपयोग की संभावनाएं *"शीर्षक"* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- सुश्री राजश्री बी सनदी, व. वैज्ञानिक सहायक ने गोरेगांव, मुम्बई में 16.06.2015 को संपन्न के ग्रामीण कार्यक्रम सलाहकारी समिति की तिमाही बैठक में भाग लिया।
- डॉ. एल. रामलिगंम, क्षेत्रीय निदेशक, डॉ जे. सी. दास, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, डॉ. मानस कुमार सिन्हा, क.मात्स्यिकी वैज्ञानिक, डॉ. जॉन चेम्बियन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री सी. बाबु, व. वैज्ञानिक सहायक ने भा मा स द्वारा आयोजित और बॉबलम द्वारा प्रायोजित 17 एवं 18 जून 2015 के दौरान हॉटेल फोरटेल, एगमोर, चेन्नई में *समुद्र और संसाधन प्रबंधन (मोरफोम-II)* के लिए समुद्र अनुसंधान मुख्य धारा पर राष्ट्रीय परामर्श में भाग लिया।
- डॉ. एल. रामलिगंम क्षेत्रीय निदेशक और डॉ. मानस कुमार सिन्हा, क मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 50 % सहायता के साथ नया गिल जाल एवं टूना लॉग लाइनर खरीदकर पाक खाडी में गहन समुद्री मत्स्यन में मत्स्यन बेडे का प्रतिस्थापन के लिए तमिलनाडु सरकार का प्रस्ताव पर 24 जून 2015 को बी ओ बी पी, चेन्नई में संपन्न बैठक में भाग लिया।
- डॉ. ए. बी. कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री एन. जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 18.06.2015 को निफफट्ट, विशाखपट्टणम की निविदा समिति बैठक में भाग लिया।
- डॉ. ए. बी. कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने निफफट्ट विशाखपट्टणम में 26.06.2015 को निविदा समिति की बैठक में भाग लिया।
- डॉ, ए. बी. कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने राज्य मात्स्यिकी विभाग, आन्ध्र प्रदेश द्वारा 06.07.2015 को जिला परिषद सम्मेलन हॉल में *यंत्रीकृत एवं मोटरीकृत नाव के ज़रिए आन्ध्र प्रदेश राज्य के तटीय जिला में गहन समुद्री मत्स्यन की उन्नति पर संपन्न* कार्यशाला में भाग लिया और विविधीकृत मत्स्यन प्रणालियों पर शोध पत्र प्रस्तुत किया और सक्रिय रूप से चर्चा में भाग लिया।
- श्री एस. के. पटनायक, व. वैज्ञानिक सहायक ने आन्ध्र विश्वविद्यालय, विशाखपट्टणम में 10.07.2015 को *नदियों को जोडने पर कोलोंक्कियम के साथ जल संसाधन* पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- श्री डी. के. गुलाटी, क्षेत्रीय निदेशक और डॉ. सिजो पी वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने *भारत के द्वीप पारिस्थितिक तंत्र और तटों के विशेष संदर्भ के साथ जलवायु परिवर्तन प्रभाव हेतु दोषपूर्णता निर्धारण और अनुकूलन रणनीतियें के विकास का परियोजना प्रस्ताव* चर्चा करने हेतु एन. आई. ओ. क्षेत्रीय केन्द्र, कोच्चि में 31.07.2015 को हुई बैठक में भाग लिया।
- श्री एन. उन्निकृष्णन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री ए. ई. अयूब, क. मत्स्यन गियर प्रौद्योगिकीविद् ने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा आई एम ए, हॉल, कलूर में 1.08.2015 की एलूर/इडयार औद्योगिक क्षेत्र में *पेरियार नदी का वर्तमान एवं भविष्य संभावनाओं पर आयोजित* कार्यशाला में भाग लिया।
- डॉ. देवानन्द इ. उइके, व. वैज्ञानिक सहायक ने 16-22 सितंबर 2015 के दौरान इनकोइस, हैदराबाद में *मात्स्यिकी स्टॉक निर्धारण एवं पारिस्थितिक मॉडलिंग पर संपन्न प्रशिक्षण* कार्यशाला में भाग लिया।
- डॉ. ए. के. भार्गव, क्षेत्रीय निदेशक ने 16.09.2019 को इनकोइस, हैदराबाद में *"मात्स्यिकी स्टॉक निर्धारण एवं पारिस्थितिक तंत्र मोडलिंग" पर संपन्न प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया और भा मा स में* " फिश स्टॉक निर्धारण" अभ्यास पर उद्घाटन व्याख्यान दिया।
- श्री धनंजय राव, यांत्रिक समुद्री अभियंता ने सिफनेट, विशाखपट्टणम में 18.09.2015 को सिफनेट, विशाखपट्टनम के हिन्दी पखवाडा का समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में भाग लिया।
- डॉ. ए. जॉन चेम्बियन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 16-22 सितंबर 2015 के दौरान इनकोइस, हैदराबाद में *मात्स्यिकी स्टॉक निर्धारण एवं पारिस्थितिक मॉडलिंग* पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- श्री एन. उन्निकृष्णन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने एम्पीडा, कोच्चि में 22.09.2015 को फिश होल्ड सब्सिडी स्कीम पर विशेषज्ञ समिति की प्रथम बैठक में भाग लिया।

- डॉ. एस. रामचन्द्रन, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने अक्तूबर 2015 के दौरान 06.11.2015 को भा मा स द्वारा संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रम के संबंध में सचिवालय में उद्योग के सचिव, अंडमान एवं निकोबार प्रशासन के साथ बैठक में भाग लिया।
- डॉ. एम के सिन्हा, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 16.10.2015 को सिफनेट, चेन्नई में जी ए आई ए अंतर्राष्ट्रीय संगठन, चेन्नई द्वारा आयोजित *"तटीय प्रदूषण निवारण"* पर संपन्न सार्वजिक जागरुकता कार्यक्रम में भाग लिया और "तटीय प्रदूषण एवं इसका निवारण" पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. एम के सिन्हा, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 29.10.2015 को मद्रास विश्वविद्यालय, चेपाक, चेन्नई में "शोधगंगा एवं एंटी प्लेगियरिज़म सोफ्टवेयर उरकुन्ड" पर एक दिसीय प्रयोक्ता जागरुकता कार्यक्रम मे भाग लिया।
- डॉ. एस. रामचन्द्रन, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने सचिव (मा.) के चैम्बर, *अंडमान एवं निकोबार प्रशासन में आर के वी वाइ के अंतर्गत अंडमान एवं निकोबार द्वीप में मछुआरों/जनजातियों को 25% सब्सिडी पर डीप फ्रिज़र की आपूर्ति स्कीम के कार्यान्वियन* हेतु चयन/परियोजना मूल्यांकन समिति की बैठक में भाग लिया।
- श्री के गोविन्दराज और डॉ. ए. बी. कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 5-7 नवंबर 2015 के दौरान प्रिया बीच रिसोर्ट, रिषिकोंडा, विशाखपट्टणम में पूर्व गोदावरी ज्वार-मुहानीय पारिस्थितिक तंत्र (इ जी आर ई ई) द्वारा संचालित अनुसंधान सभा में भाग लिया।
- डॉ. एस. रामचन्द्रन, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने सी आई ए आर आई, पोर्ट ब्लेयर में 18.11.2015 को *द्वीप क्षेत्र के कृषि के विकास और इसके संबंधित सेक्टर की रणनीतियों* पर एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
- श्री पी. चलपति राव, सांख्यिकीविद्, श्री बापू एम राऊत, ऑंकडा प्रसंस्करण सहायक और श्री अशीष कुमार, ऑकडा प्रसंस्करण सहायक ने 20-21 नवंबर 2015 को सी एम एफ आर आई के मुम्बई अनुसंधान केन्द्र में समुद्री मात्स्यिकी गणना के लिए प्रस्तावित प्रशिक्षण एवं कार्यशाला में भाग लिया।
- श्री के गोविन्दराज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और डॉ. ए बी कर मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री एन. जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक श्री एस. के. पटनायक, व.वैज्ञानिक सहायक, श्री सी . बाबु, व. वैज्ञानिक सहायक और श्री जेकब थॉमस, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने सत्तुणा परियोजना के अंतर्गत 28-29 नवंबर 2015 के दौरान सी एम एफ आर आई, विशाखपट्टणम में टूना टेग्गिंग हेतु पी-सी टैग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- मत्स्यन उद्योग की ओर मास मीडिया समर्थन के अंतर्गत डॉ. देवानन्द इ. उइके, व. वैज्ञानिक सहायक ने 02.09.2015 और 04.12.2015 को आकाशवाणी (एयर) मुम्बई की ग्रामीण सलाहकारी समिति की तिमाही बैठक में भाग लिया।
- श्री एन. उन्निकृषन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 08.12.2015 को एम्पीडा, कोच्चि में फिश होल्ड सब्सिडी स्कीम पर विशेषज्ञ समिति की दूसरी बैठक में भाग लिया।
- डॉ. देवानंद इ. उइके, व. वैज्ञानिक सहायक ने 09.12.2015 को दूरदर्शन केन्द्र मुम्बई में संपन्न दूरदर्शन की ग्रामीण सलाहकारी समिति की तिमाही बैठक में भाग लिया।
- श्री सी एन रायथाथा, प्रवर श्रेणी लिपिक ने 28.12.2015 से 29.12.2015 तक क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र, मुम्बई द्वारा सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 पर आयोजित प्रशिक्षण में भाग लिया।
- डॉ. देवानंद इ. उइके, व. मात्स्यिकी सहायक ने आकाशवाणी के लिए दो बार साक्षात्कार दिया। (15.06.2015) को मत्स्यन प्रचालन कब और कहाँ पर प्रथम रिकार्डिग 19.06.2015 को प्रसारित किया और 18.01.2016 को मत्स्यन के लिए उचित गियर का उपयोग पर दूसरी रिकार्डिग 20.01.2016 को प्रसारित किया।

VII. प्रशासनिक समाचार

नियुक्तियाँ

- श्री हरिश कुमार, को बहु कार्मिक कर्मचारी के पद में 01.04.2015 के प्रभाव से भा. मा. स. के विशाखपट्णम बेस में नियुक्त किया गया।
- श्री एस. किरण कुमार, को बहु कार्मिक कर्मचारी के पद में 23.06.2015 के प्रभाव से भा. मा. स. के विशाखपट्णम बेस में नियुक्त किया गया।

पदोन्नतियाँ/स्थानांतरण

स्थानांतरण

- डॉ. शैलेन्द्र कुमार द्विवेदी, मात्स्यिकी वैज्ञानिक को पोर्ट ब्लेयर बेस से भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का मुम्बई बेस में 16.04.2015 को स्थानांतरित किया गया और 18.04.2015 को कार्यभार ग्रहण किया।
- श्री टी. ए. सजीव, मुख्य अभियंता ग्रेड-। को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण विशाखपट्णम से भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का कोच्चिन बेस में 30.05.2015 को स्थानांतरित किया गया और 15.06.2015 को कार्यभार ग्रहण किया।
- श्री ए. सिवा, व. वैज्ञानिक सहायक, को विशाखपट्टणम बेस से भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (मुख्यालय) में 15.06.2015 को स्थानांतरित किया गया और 18.06.2015 को कार्यभार ग्रहण किया।
- श्री एस. कांथन, यांत्रिक पर्यवेक्षक (वरिष्ठ), को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण पोर्ट ब्लेयर से भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का चेन्नई बेस में 25.08.2015 को स्थानांतरित किया गया और 01.09.2015 को कार्यभार ग्रहण किया।
- श्री जी. एस. वी शर्मा, यांत्रिक पर्यवेक्षक (वरिष्ठ), को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण चेन्नई से भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का पोर्ट ब्लेयर बेस में 01.09.2015 को स्थानांतरित किया गया।
- श्री वाय. थरूमार, व. वैज्ञानिक सहायक, को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण मार्मुगोवा से भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का चेन्नई बेस में 14.09.2015 को स्थानांतरित किया गया और 16.09.2015 को कार्यभार ग्रहण किया।

- श्री एम. वी. अजित कुमार, मुख्य अभियंता ग्रेड-।। को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण मार्मुगोवा से भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का विशाखपट्णम बेस में 10.11.2015 को स्थानांतरित किया गया और 19.11.2015 को कार्यभार ग्रहण किया।
- श्री पी. वी. लतीश, कार्यालय अधीक्षक को भा. मा. स., कोच्चि बेस से पोर्ट ब्लेयर बेस में स्थानांतरित किया गया और 30.11.2015 को कार्यभार ग्रहण किया।
- श्री ए. मोहन, वेल्डर को पोर्ट ब्लेयर बेस से भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का कोच्चि बेस में 08.12.2015 को स्थानांतरित किया गया और 11.12.2015 को कार्यभार ग्रहण किया।

पदोन्नतियाँ

- श्रीमती ए. ए. दौलत, अवर श्रेणी लिपिक को प्रवर श्रेणी लिपिक के पद पर 08.07.2015 के प्रभाव से पदोन्नत किया गया एवं भा.मा. स. का कोच्चिन बेस में तैनात किया गया।
- श्री चेतन रायथाथा, अवर श्रेणी लिपिक को प्रवर श्रेणी लिपिक के पद पर 08.07.2015 के प्रभाव से पदोन्नत किया गया एवं भा.मा. स. (मुख्यालय) में तैनात किया गया।
- श्रीमती आर रामलक्ष्मी अवर श्रेणी लिपिक को प्रवर श्रेणी लिपिक के पद पर पदोन्नत किया गया एवं चेन्नई बेस में 05.08.2015 को तैनात किया गया।
- श्री एस. मोनी, प्रवर श्रेणी लिपिक को कार्यालय अधीक्षक के पद पर 19.08.2015 के प्रभाव से पदोन्नत किया गया एवं भा.मा. स. का चेन्नई बेस में तैनात किया गया।

सेवानिवृत्तियाँ :

- श्री वी. एस. सुमरा, बहु कार्मिक कर्मचारी, भा. मा. स. (मुख्यालय) स्वैच्छिक रुप से 11 अप्रैल 2015 को सेवानिवृत्त हुए।
- श्री के पी सयेद मोहम्मद, बोसन (प्रमाणित) भा. मा. स के कोच्चिन बेस अधिवर्षिता पर 30.04.2015 को सेवानिवृत्त हुए।
- श्री ओ. वी. चन्द्रसेखरन, आर. टी.ओ, भा. मा. स के कोच्चिन बेस अधिवर्षिता पर 30.04.2015 को सेवानिवृत्त हुए।
- श्री के सेतुरामन, बहु कार्मिक कर्मचारी भा मा स के चेन्नई बेस अधिवर्षिता पर 30.04.2015 को सेवानिवृत्त हुए।
- डॉ. एम. के. सजीवन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक को प्रविधिक त्याग पत्र पर 27 मई 2015 को भा मा स के कार्यभार से मुक्त किया गया।
- डॉ. ए. एनरोस, क्षेत्रीय निदेशक, भा. मा. स के विशाखपट्टणम बेस अधिवर्षिता पर 31.05.2015 को सेवानिवृत्त हुए।
- श्री टी. वी. एस. प्रसाद, सेवा अभियंता (आई सी) भा. मा. स के चेन्नई बेस, अधिवर्षिता पर 31.05.2015 को सेवानिवृत्त हुए।
- श्रीमती जे सी मेरी, नेडमेंडर, भा. मा. स के चेन्नई बेस अधिवर्षिता पर 31.07.2015 को सेवानिवृत्त हुए।
- श्री हरीश कुमार, एम टी एस, भा मा स का विशाखपट्टणम बेस को अपनी सेवा से 04.09.2015 को समाप्त किया गया।
- डॉ. ए. के. भार्गव, क्षेत्रीय निदेशक, भा. मा. स के मुम्बई बेस अधिवर्षिता पर 30 सितंबर 2015 को सेवानिवृत्त हुए।
- श्री डी एम अली, क्षेत्रीय निदेशक, भा. मा. स के मार्मुगोवा बेस अधिवर्षिता पर 30 सितंबर 2015 को सेवानिवृत्त हुए।
- श्री पी. चौक्कीय्याह, स्टाफ कार ड्राईवर ग्रेड-। भा. मा. स के पोर्ट ब्लेयर बेस अधिवर्षिता पर 30 सितंबर 2015 को सेवानिवृत्त हुए।
- श्री जी अप्पा राव, बहु कार्मिक कर्मचारी (सफाईवाला), भा. मा. स के विशाखपट्टणम बेस अधिवर्षिता पर 31.12.2015 को सेवानिवृत्त हुए।
- श्रीमती वी. निर्मला, कार्यालय अधीक्षक भा. मा. स के चेन्नई बेस अधिवर्षिता पर 31.12.2015 को सेवानिवृत्त हुए।

निधन

(डॉ. वी एस सोमवंशी - 21.05.1949 -17.09.2015)

डॉ. वी. एस. सोमवंशी पूर्व महानिदेशक, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण ने 17 सितंबर 2015 को अपने गृह नगर लातूर में अपने अंतिम सॉस लिया। डॉ. वी. एस. सोमवंशी 13 वर्ष देश के प्रतिष्ठापूर्ण मात्स्यिकी संस्थान के महानिदेशक के रुप में भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (भा मा स) के साथ लंबी सेवा के बाद मई 2009 में सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हुए। भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में मात्स्यिकी संसाधनों का हमारा ज्ञान में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। अत्यंत कुशल मात्स्यिकी वैज्ञानिक के रुप में डॉ. सोमवंशी अपने विषय से प्यार किया है और देश में अपतट मात्स्यिकी के विकास के संबंध में अक्सर भावपूर्ण थे। उन्होंने कई अंतर्राष्ट्रीय बैठकों और संगठनों में भारत का प्रतिनिधित्व किया, विशेषकर नब्बे के मध्य में हिन्दु महासागर टूना आयोग के प्रारंभ 2004 से 2009 तक। डॉ. वी एस सोमवंशी बी ओ बी पी-आई जी ओ के तकनीकी सलाहकारी कॉऊनसिल से भारत को प्रतिनिधित्व किया और नए आई जी ओ के कार्य को रुप देने हेतु मदद किया।

महानिदेशक (प्रभारी) एवं भा मा स के अधिकारी एवं कर्मचारी सदस्यों ने भा मा स मुम्बई (मुख्यालय) में 18 सितंबर 2015 को हुए शोक सभा में उनकी असमय मृत्यु पर शोक व्यक्त किया।

संकलनकर्ता : कुमारी राजश्री बी सनदी, संपादक: श्री ए. टिबुरशियस, हिन्दी अनुवादक: मीरा वेल्लेन राजीव
प्रकाशक: श्री प्रेमचंद महानिदेशक: भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, भारत सरकार, कृषि मंत्रालय, बोटावाला चेम्बर्स, सर पी एम रोड, मुम्बई-400 001,
तार: मीना वेबसाईट: htttp:/fsi.gov.in फैक्स: (022) 22702270. दूरभाषा: 22617144/45 मुद्रक: ऑनलूकर प्रेस, मुम्बई. दूरभाषा 022-22182939/3544